

असाधाररण EXTRAORDINARY

भाग II- खण्ड 4 PART II—SECTION 4

प्राधिकार से प्रकाशित PURLISHED BY AUTHORITY

HO. 15 नई विस्ति, बधवार, जलाई 22, 1981/ग्राषाढ़ 31, 1903 NEW DELCII, WEDNESDAY, JULY 22, 1981/ASADHA 31, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ लंख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखाजासको

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

अधिस्चना

नई दिल्ली, 22 जलाई, 1981

क कि. आ. 19(य) - सह स्त्र सेना (आपात इयटियां) अधिनियम, 1947 (1947 का 15वां) की धारा 2 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदेत क्रिवित्यों का प्रयोग करते हए, केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा महाराष्ट्र राज्य में भाभागांव डाक लिमिटेड, बम्बई में फिज़ेटो या अपतट प्लेटफामों के किर्माण, बंसिन अथवा शक्क गोदियों के पम्पों, पावर हाउसीं, सब-स्टेशनीं, अग्निशमन केन्द्रीं (फायर पाइंटर्स) को चलाने, ताजा ा ी वी र ठाई, सफाई की ब्यवस्या पोतों तथा अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सरक्षा और

बचाव से सम्बन्धित प्रत्येक सेवा को तत्काल से समाज के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण सेवा घोषित करती है।

> [फा. सं. 18/1/79/कि (नेबी-2)-पी पी.-1] को. को. मत्थुर, संयुक्त सचिव (नेबी)

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd July, 1981

S.R.O. 19(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 2 of the Armed Forces (Emergency Duties) Act, 1947 (15 of 1947) the Central Government hereby declares every service connected with the construction of Frigates or Offshore Piatforms manning of pumps for basin or drydocks, manning of power houses and sub-stations, fire-points, supply of fresh water, conservancy, safety and security of the ships as well as other vulnerable areas, in Mazagon Dock Limited, Bombay, in the State of Maharashtra, to be a service of vital importance to the community with immediate effect.

[F. No. 18/1/79/D(N.II)/PC-1]
K. K. MATHUR, Jt. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064 AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1981